

चिरु जीवो नंद कुमार दूलह नील मणी।

यशुमति प्राण आधार दूलह नील मणी॥

बाबा बृज राजु ज़िंड़ी सजाए बरसाने आयो बाजा वजाए

साणु सांवलिड़ो सुकुमार—दूलह....॥१॥

श्याम बने जी अजबु आ झांकी नीली घोड़ी अ जी चालि आ बांकी

सभु ग़ाइनि मंगलाचार—दूलह....॥२॥

रतन जटित सिहरो सिर पर शोभे रूपु दिसी मुनि मनिड़ो थो लोभे

सारे बृज जो आ सींगारु—दूलह....॥३॥

श्री बरसाने में ज़िंड़ी आई श्री रावलपति आयो अगुवाई

क्रोड़ें कया सतिकार—दूलह....॥४॥

कोटि काम खां दूलहु सुन्दरु शोभ्या सागरु रूप जो मन्दरु

दिसी ठरनि नर नारि—दूलह....॥५॥

वेदी अ ते वेठा युगल विहारी नंद नन्दन वृषभान दुलारी

गौलोक जी सरकार—दूलह....॥६॥

जै जै चई देव गुल वर्षाईनि नगारा वज़ाए लाद्रा गाइनि
कुशालु कन्दुव करतार—दूलह.... ॥७॥

मंगल विहांव युगल जो थियड़ो कोन दिठो कदहीं आनंदु अहिड़ो
थिया जगि जै जै कार—दूलह.... ॥८॥

सदां जिए मुंहिजी अलबेली जोड़ी सांवरो साई चण्ड जहिड़ी गौरी
बान्हिड़ी थिये बलहार—दूलह.... ॥९॥